मुख्य परीक्षा

प्रश्न– क्रांतिकारी राष्ट्रवाद की धारा 20वीं सदी के आरम्भ से लेकर भारत के स्वतंत्र होने तक समय-समय पर उभरती रही। टिप्पणी कीजिए। (200 शब्द)

The tide of revolutionary Nationalism begining from the start of 20 century emerged time and again till India's Independence. Comment. (200 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर– भूमिका : नरमपंथियों की याचना की राजनीति तथा गरमपंथियों द्वारा कुशल नेतृत्व न दे पाना, दोनों ही हताश युवाओं को 'बम की राजनीति' की ओर उन्मुख किया। दोनों खेमों के गुमराह होने से तरूण और युवा क्रांतिकारियों ने व्यक्तिगत वीरता द्वारा साम्राज्यवाद से लोहा लेकर भावी पीढ़ी को एक दिशा देने का प्रयास किया।

मुख्य विषय वस्तु

- स्वदेशी आंदोलन के बाद उत्पन्न हताशा व निराशा ने युवाओं को क्रांतिकारी राष्ट्रवाद की ओर जोड़ा। 1897 में चापेकर बंधुओं द्वारा रैंड हैत्या, 1904 में वी.डी. सावरकर द्वारा गुप्त संगठन 'अभिनव भारत' तथा 'अनुशीलन समिति (अनेक शाखाएं) जैसे संगठन द्वारा छिपे तौर पर क्रांतिकारी गतिविधियों का संचालन किया गया।
- 1908 में खुदीराम बोस, प्रफुल्ल चाकी द्वारा मुजफ्फरपुर के जज के बग्घी पर बम फेंका गया तथा 1908 से 1918 तक अनेक क्रांतिकारियों को या तो मार दिया गया या जेल में डाला गया। उल्लेखनीय है कि क्रांतिकारियों द्वारा विदेशों में भी अनेक संगठन बनाये गये। लंदन में श्यामजी कृष्ण वर्मा, यूरोप में मैडम कामा सक्रिय रहीं।
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में जब-जब एक ठहराव देखा गया। तब-तब ये क्रांतिकारी गतिविधियों ने जोर पकड़ा। दूसरा प्रयास असहयोग आंदोलन के वापसी के बाद दिखता है। 17 दिसंबर, 1928 को भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और राजगुरू द्वारा लाहौर में साण्डर्स की हत्या की गई।
- 1924 में रामप्रसाद बिस्मिल, योगेश चटर्जी, शचींद्रनाथ सान्याल आदि द्वारा हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन जो बाद में एच.एस.आर.ए. में परिवर्तित हुआ। ये संगठन उस व्यवस्था का अंत करना अपना लक्ष्य बताते थे। जिससे मानव के द्वारा मानव का शोषण हो।
- आगे सुभाष चंद्र बोस, आई.एन.ए. का गठन हुआ, जिन्होंने अपने तरीके से स्वतंत्रता हासिल करने का स्वपन देखा।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।